जब कोई नहीं देख रहा होता, तब आप कौन होते हैं?

हम अक्सर अपने आंतरिक जीवन की उपेक्षा करते हैं और अपनी अधिकांश ऊर्जा अपनी सार्वजनिक छवि को सँवारने में लगाते हैं। फिर भी, शास्त्र हमें सिखाता है कि विश्वासियों के जीवन में परमेश्वर का मुख्य कार्य छिपे हुए स्थान में होता है—हृदय, मन और विवेक के निजी क्षेत्र में। यही परमेश्वर का प्रशिक्षण स्थल है, उनका निर्माण कक्षा, जहाँ चरित्र को आकार दिया जाता है, इससे पहले कि बुलावा प्रदर्शित हो। परमेश्वर पहले मंच नहीं बनाते; वे पहले लोगों का निर्माण करते हैं।

यही सिद्धांत यीशु ने स्पष्ट रूप से सिखाया:

“जब तुम निर्धन को दान दो, तो तुम्हारा बायां हाथ यह न जाने कि
दाहिना हाथ क्या दे रहा है, ताकि तुम्हारा दान छिपकर हो। और
तुम्हारा पिता, जो छिपकर देखता है, तुम्हें पुरस्कृत करेगा।”
— मत्ती 6:3–4

“पुरस्कार” का अर्थ है प्रतिदान देना—दैवी प्रतिफल के साथ प्रतिक्रिया करना। यह एक आध्यात्मिक नियम को प्रकट करता है:
जो छिपकर अभ्यास किया जाता है, वह अंततः सार्वजनिक रूप में प्रकट होता है। (लूका 8:17)

छिपे हुए जीवन का धर्मशास्त्र

परमेश्वर हमेशा अंदरूनी रूप से कार्य करते हैं, उससे पहले कि बाहरी रूप में दिखाएँ:

बुलावे से पहले चरित्र

प्रकट होने से पहले निर्माण

प्रभाव से पहले ईमानदारी

उच्चता से पहले पवित्रता

शास्त्र के साथ यह सुसंगत है:

“मनुष्य बाहरी रूप को देखता है, परन्तु यहोवा हृदय को देखता है।”

— 1 शमूएल 16:7

परमेश्वर प्रदर्शन से प्रभावित नहीं होते; वे परिवर्तन से चिंतित होते हैं। (रोमियों 12:2)

बाइबिल में उदाहरण

यूसुफ़ ने सार्वजनिक अधिकार से पहले निजी सेवा में विश्वासयोग्य बने। पोतिफर के घर में उनकी ईमानदारी ने उन्हें फिरौन के महल में नेतृत्व के लिए तैयार किया। (उत्पत्ति 39–41)
यह एक राज्य सिद्धांत को दर्शाता है:

“जो बहुत कम में विश्वासयोग्य है, वही अधिक में भी विश्वासयोग्य होगा।”
— लूका 16:10

यहूदा इस्करियोत अचानक नहीं गिरा। उसका विश्वासघात छिपे पाप, अनुवादित भ्रष्टाचार और गुप्त समझौते का फल था। (यूहन्ना 12:6;

13:27)
निजी पाप अंततः सार्वजनिक पतन उत्पन्न करता है।

दाऊद ने गoliath के सामने सार्वजनिक रूप से साहसी बनने से पहले परमेश्वर के सामने निजी रूप से विश्वासयोग्य बने। वादी में उसकी जीत जंगल में अंतरंगता का परिणाम थी। (1 शमूएल 17:34–37)
निजी भक्ति हमेशा सार्वजनिक अधिकार से पहले आती है।

आध्यात्मिक सिद्धांत

परमेश्वर का उन्नयन भावनात्मक नहीं—सरकारी है।
परमेश्वर उपहार को नहीं, परिपक्वता को ऊँचा उठाते हैं।
वे प्रतिभा को नहीं, विश्वासनीयता को ऊँचा उठाते हैं।

“परमेश्वर के सामर्थ्यशाली हाथ के अधीन अपने आप को विनम्र करो, ताकि वह उचित समय पर तुम्हें ऊँचा करे।”
— 1 पतरस 5:6

परमेश्वर किसी को उठाने से पहले उनका परीक्षण करते हैं।

पुरस्कार देने से पहले उनका परीक्षण करते हैं।
अधिकार सौंपने से पहले उनका सुधार करते हैं।

“जिसे यहोवा प्रेम करता है, वह अनुशासन देता है।”
— इब्रानियों 12:6

धार्मिक प्रदर्शन का खतरा

बाहरी धार्मिकता बिना आंतरिक पवित्रता के दिखावे (छल) पैदा करती है। (मत्ती 23:27–28)
निर्मलता के बिना सेवा आध्यात्मिक कमजोरी पैदा करती है।
पवित्रता के बिना सेवा पतन को जन्म देती है।

“परमेश्वर अपने भीतर सत्य चाहता है।”
— भजन 51:6

आध्यात्मिक अधिकार आध्यात्मिक ईमानदारी से आता है। शक्ति पवित्रता से आती है।

अभिषेक आज्ञापालन से आता है।

आपका निजी जीवन आपका सार्वजनिक भविष्य बनाता है

आपके छिपे हुए आदतें आपकी नियति को आकार दे रहे हैं।

आपकी निजी अनुशासन आपके कल को बना रही है।

आपके छिपे हुए चुनाव आपके भविष्य की पहचान को तैयार कर रहे हैं।

“यकीन रखो, तुम्हारा पाप तुम्हें पकड़ ही लेगा।”
— गिनती 32:23
“कुछ भी छिपा नहीं है जो प्रकट न होगा।”
— लूका 8:17

आपको क्या करना चाहिए?

अपने छिपे हुए जीवन में परमेश्वर को आमंत्रित करें:

आपके विचार

आपकी इच्छाएँ

आपकी आदतें

आपके प्रेरणाएँ

आपके निजी कर्म

सच्चाई से पश्चाताप करें। (प्रेरितों के काम 3:19)

पूर्ण रूप से समर्पित हों। (याकूब 4:7)

जानबूझकर पवित्रता की खोज करें। (इब्रानियों 12:14)

दैनिक आज्ञापालन में चलें। (यूहन्ना 14:15)

इस प्रार्थना को अपनाएँ:

भजन 139:23–24
“हे परमेश्वर, मुझे जाँचो और मेरे हृदय को जानो;
मेरे चिंतित विचारों को समझो।
देखो क्या मुझमें कोई आघातकारी मार्ग है,
और मुझे शाश्वत मार्ग पर ले चलो।”

ईश्वर आपको आशीर्वाद दें।
वह आपको छिपकर बनाए और सार्वजनिक रूप से सम्मानित करें। इस संदेश को दूसरों के साथ साझा करें।

□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□□, □□ □□ □□□ □□□□ □□□?

Share on:
WhatsApp